दो बीमारियों को हराएंगे
ये टीका ज़रूर लगवाएंगे!

सुनिषिचित करें कि 9 माह से 15 वर्ष तक की आयु के सभी स्कूली बच्चों को खसरा–रूबेला का टीका लग जाए

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

खसरा–रूबेला टीकाकरण अभियान

खसरा एवं रूबेला रोग

- खसरा एक जानलेवा और संक्रामक रोग है जो वायरस से फैलता है व बच्चों में असमय मृत्यु या विकलांगता का एक मुख्य कारण है। भारत देश में खसरा के कारण प्रति वर्ष लगभग 50,000 बच्चों की मृत्यु हो जाती है।
- गर्भवती महिलाओं में रुबेला रोग होने से जन्मजात रुबेला सिन्ड्रोम (Congenital Rubella Syndrome) हो सकता है, जो गर्भ में पल रहे भ्रूण व नवजात शिशु के लिए बेहद गंभीर हो सकता है। इससे गर्भपात, समय पूर्व प्रसव या मृत प्रसव की संभावनाएं बढ़ जाती है व दीर्घकालीन जन्मजात विसंगतियाँ भी हो जाती है जिससे आंख में (ग्लूकोमा, मोतियाबिन्द), कान में बहरापन तथा मस्तिष्क प्रभावित हो सकते है।
- **इन दोनों गंभीर बीमारियों का कोई निश्चित इलाज नहीं है एवं इनसे बचाव का खसरा रुबेला टीकाकरण ही सबसे सरल, सुरक्षित एवं सर्वश्रेष्ठ उपाय है।**

खसरा एवं रूबेला अभियान

- खसरा रोग को खत्म करने व रुबेला पर नियंत्रण के लिए हमारा देश कृतसंकल्प है।
- एक राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत खसरा एवं रुबेला के प्रति सुरक्षा प्रदान करने के लिए खसरा–रुबेला (एम.आर.) का एक टीका स्कूलों, सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों, अन्य चयनित सत्रों में लगाया जाएगा।
- इस अभियान में 9 माह से 15 वर्ष तक के सभी बच्चों को यह टीका लगेगा, भले ही उन्हें यह टीका पहले लगा हो।
- खसरा–रुबेला का टीका एक बहुत सुरक्षित टीका है तथा पिछले 40 वर्षों से इसका उपयोग किया जा रहा है।
- भारत के अलावा विश्व के अन्य कई देशों में भी करोडों बच्चों को इस टीके के जरिये सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

एमआर टीकाकरण अभियान – क्रियान्वयन रणनीति

स्कूल → **समुदाय** → **अंतिम सप्ताह कम कवरेज क्षेत्र में स्वीपिंग एक्टीविटी**

4 सप्ताह की गतिविधि

01 सप्ताह की स्वीपिंग एक्टीविटी

सत्र स्थल की क्रियान्वयन

Outreach session sites
School, Villages,Urban, resettlement areas (one village, one day)

Fixed in-facility sites
Hospitals, CHCs, PHCs, SC

Mobile sessions
For far flung areas

अत्यधिक लोड वाले क्षेत्रों में एमआर टीकाकरण हेतु एमआर अभियान के दौरान लगातार सत्रों का आयोजन किया जायेगा

एम.आर. अभियान– रणनीति

लक्षित समूह – 9 माह से 15 वर्ष तक के बच्चे, चाहें पहले एम.आर. का टीकाकरण हो गया हो।

- लक्ष्य का 100 प्रतिशत कवरेज
- 95 प्रतिशत से ज्यादा टीकाकरण मूल्याकंन कवरेज
- अभियान अवधि– लगभग 4 + 1 सप्ताह (माह जुलाई 2019 में प्रारम्भ)
  - ✓ प्रारम्भ में – पहले दो सप्ताह में स्कूल जाने वाले कक्षा 10 तक के बच्चे
  - ✓ आगामी सप्ताह में – आउटरीच सत्र तथा स्कूल न जाने वाले बच्चों का टीकाकरण
  - ✓ 5वें सप्ताह– मांनीटरिंग / सुपरविजन आधार पर स्वीपिंग / रिपीट एक्टीविटी
- स्कूल में लगने वाले टीकाकरण सत्र स्कूल के समय के अनसार लगाये जायेगे
- **एक स्कूल में सभी लक्षित बच्चों का टीकाकरण एक दिन में पूर्ण करने की कोशिश रहेगी।**

टीकाकरण टीम के सदस्य

- अभियान का सफल एवं प्रभावशाली क्रियान्वयन प्रत्येक टीकाकरण सत्र की एक टीम के द्वारा किया जायेगा।
- प्रत्येक टीम में एक टीकाकर्मी, एक आशा/लिंक वर्कर, एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं एक वॉलेंटियर रहेगें।
- प्रत्येक स्कूल एक ही दिन में कवर किये जाये।
- प्रत्येक 200 छात्रों पर एक टीम होगी।

शिक्षा विभाग– एक प्रमुख भूमिका

- इस लक्षित आयु वर्ग के 75–80 प्रतिशत बच्चे स्कूल जाते हैं, अतः इस अभियान में शिक्षा विभाग की एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।
- स्कूलः– सरकारी, प्राइवेट, केन्द्रीय बोर्ड, संस्कृत स्कूल, मदरसा, बालवाडी, प्ले स्कूल, बोर्डिंग स्कूल, आर्मी/पुलिस स्कूल, दिव्यांग स्कूल, आदि

अपेक्षाएं– राज्य एवं जिला स्तर

- शिक्षा विभाग से निर्देश सभी शिक्षण संस्थाओं एवं स्कूलों को जारी करना।
- सभी नोडल अध्यापकों, प्रधानाचार्यों का आमुखीकरण–सरकारी एवं अन्य स्कूलों का। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा
- जिला स्तर पर DTFI में DEO -elementary और Secondary भाग लें एवं BTFI में BEEO भाग लें
- सभी प्रमुख/ नोडल टीचर्स के साथ योजना तथा क्रियान्वयन हेतु बैठक
- पोस्टर्स, सूचना पत्र एवं आमंत्रण पत्रों का वितरण

Annex 4: Prototypes of letters and communication materials

Prototype of Letter to be issued by District Health/Education Officer to Schools

To

The Principal/Head of Institution

Subject: Measles-Rubella Rakshak Abhiyaan (Measles-Rubella SIA Campaign)

The state of ..... is conducting the Measles-Rubella campaign as part of the national strategy of introducing the new MR vaccine in the immunization program in India.. All children aged 9 months to under-15 years will be vaccinated regardless of previous vaccination status or history of measles/rubella-like illness.

Measles is highly infectious disease caused by a virus. An estimated 20,000 to 40,000 children die from measles annually, making it one of the leading causes of child deaths in India. Measles can be prevented by immunizing children with two doses of measles vaccine which is safe and effective. A MR campaign offers a second opportunity to ensure population immunity against measles and rubella. The aim of the campaign is to cover more than 95%% of the targeted children.

Rubella is an infectious yet mild viral illness affecting both children and adults that can cause death and disabilities in the newborn if an unprotected pregnant woman gets infected with rubella virus in early pregnancy. Rubella virus has the potential to cause abortions, still births and sever birth defects known as congenital rubella syndrome (CRS) including deafness and blindness in the newborn child. This may lead to serious lifelong disabilities, which is a huge burden to the family and society (around ~ 27,000 estimated CRS cases in the country per year).

Under the campaign, the Departments of Health and Education are partnering with schools to bring students and teachers to jointly participate in the MR campaigns. All schools – public and private, including other institutions are receiving this letter, which will be followed by orientation for teachers and students to be conducted by health program managers /health worker of your area.

The measles-rubella campaign will be conducted over a period of-4 weeks. The vaccination will be conducted in schools during the first 2 weeks and later in community sessions. Please take the necessary initiative to ensure that all children in the target age in your school get vaccinated during the campaign.

Your active participation in the campaign requests the following:

- Inform about the date and time of the session to students and their guardians.
- Prepare list of students less than 15 years of age
- Assign teachers to help organize and conduct immunization session in the school.
- Coordinate with health workers to conduct the session during school timing.
- Ensure that teachers crosscheck finger marking of all vaccinated children.
- Share list of absentee target students, with the health worker for vaccination during village campaign session.
- Senior students should get involved in motivating and ensuring the vaccination of those under-15 children who are out of school.

(See attached information sheet on Measles and Rubella that can be sent to parents and distributed among teachers and children.)

Should you have any questions, please call ..... (Tel no) or meet .....

(Names of Immunization Officers/Medical Officers).....

अपेक्षाएं– स्कूल स्तर

- अभियान हेतु नोडल टीचर का चयन
- असेंबली / प्रार्थना सभा / बैठकों में घोषणा / सूचना
- अभिभावकों को सूचना भिजवाना
- पोस्टर, बैनर आदि को स्कूलों में लगवाना
- सूचना पत्र स्कूल में आने वाले सभी बच्चों के घर भिजवाना
- स्कूल के बच्चों द्वारा विभिन्न गतिविधियां जैसे बाल सभा करवा कर खसरा–रूबेला अभियान हेतु सकारात्मक वातावरण बनाना
- पैरेंट टीचर मीटिंग करवाना

अपेक्षाएं– अध्यापक (अभियान से पूर्व)

एक शिक्षक की सकारात्मक एवं उत्साहवर्धक वातावरण बनाने में एक अहम भूमिका है

- सभी जागरूकता/योजना बैठक/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले
- लक्षित समूह के सभी बच्चों की सूची तैयार करना
- अभियान के समय व स्थान तय करने में ए.एन.एम. को सहयोग करना
- प्रत्येक विद्यार्थी को उसके अभिभावकों के लिए खसरा–रुबेला सूचना–पत्र देना
- सूचना एवं जागरूकता फैलाएं, पैरेंट टीचर मीटिंग में अभिभावकों की शंकाओं को दूर करें, यदि आवश्यक हो तो संबंधित चिकित्साकर्मी से उनकी बातचीत करवाएं।
- बच्चों को टीकाकरण की तिथि एवं स्थान के बारे में कम से कम एक सप्ताह पूर्व जानकारी दें। ए.एन.एम. इसकी जानकारी स्कूल को देगी।
- विद्यार्थीयों को सूचित करें –टीकाकरण के दिन टीकाकरण से पहले नाश्ता कर लें
- स्कूलों में खसरा–रूबेला से संबंधित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।

अपेक्षाएं– अध्यापक (टीकाकरण के दौरान)

- टीकाकरण सत्र उचित स्थान पर हो जिसमें 3 जोन होः– प्रतीक्षा कक्ष, टीकाकरण कक्ष एवं निगरानी कक्ष
- प्रतीक्षा कक्ष में एक–एक कक्षा एवं सेक्शन के विद्यार्थियों को बुलाएं, प्रतीक्षा कक्ष एवं टीकाकरण कक्ष अलग–अलग हों।
- टीकाकरण के पश्चात बच्चों को निगरानी कक्ष में कम से कम 30 मिनट तक बैठाएं व खेलने दें।
- आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त संख्या में अध्यापक उपस्थित रहें टीकाकरण के दौरान एक आचरण युक्त वातावरण बना रहे
- यदि अभिभावक टीकाकरण सत्र पर आना चाहें तो उन्हें आने दें
- जिज्ञासा होने पर अभिभावकों के सभी प्रश्नों का स्पष्ट रूप से उत्तर दें

अपेक्षाएं– अध्यापक (टीकाकरण के पश्चात)

- बच्चा आरामदायक महसूस करे, इसलिए उसे हल्का नाश्ता–पानी उपलब्ध कराएं
- टीकाकरण के बाद निगरानी कक्ष से बच्चों को 30 मिनट पश्चात ही बाहर भेजें
- यदि किसी बच्चे को हल्का बुखार, आंखों में लाली इत्यादि लक्षण दिखें तो ए.एन.एम. को बताएं और उसके लिए दवा लें
- यदि विद्यार्थी कुछ ज्यादा कमजोर या थका महसूस करें तो ए.एन.एम.को सुचित करें। उसके पैरों को थोडा ऊंचा करके उसे लेटा दें या फिर उसके घुटनों के बीच सिर झुका कर उसे बैठा दें।
- स्कूल में गतिविधि पूर्ण होंने पर, छूटे हुए विद्यार्थियों की सूची बनवाना एवं ए.एन.एम. को देना

पैरेंट टीचर मीटिंग

सांस्कृतिक कार्यक्रम/ बाल सभा हेतु कुछ सुझाव

- नुक्कड नाटक
- प्रभात फेरी / रैली
- कठपुतली का तमाशा
- गीत/ कविता प्रतियोगिता
- पोस्टर प्रतियोगिता
- वाद–विवाद प्रतियोगिता
- खेल–कूद प्रतियोगिता
- कला–जत्था

BIG FM RJs

BGS Nobel School

Chaitanya School

Thathva School

At Mysore

MR Campaign Awareness Rallies

खसरा–रूबेला टीकाकरण अभियान

खसरा–रूबेला टीकाकरण अभियान संबधी संचार सामग्री

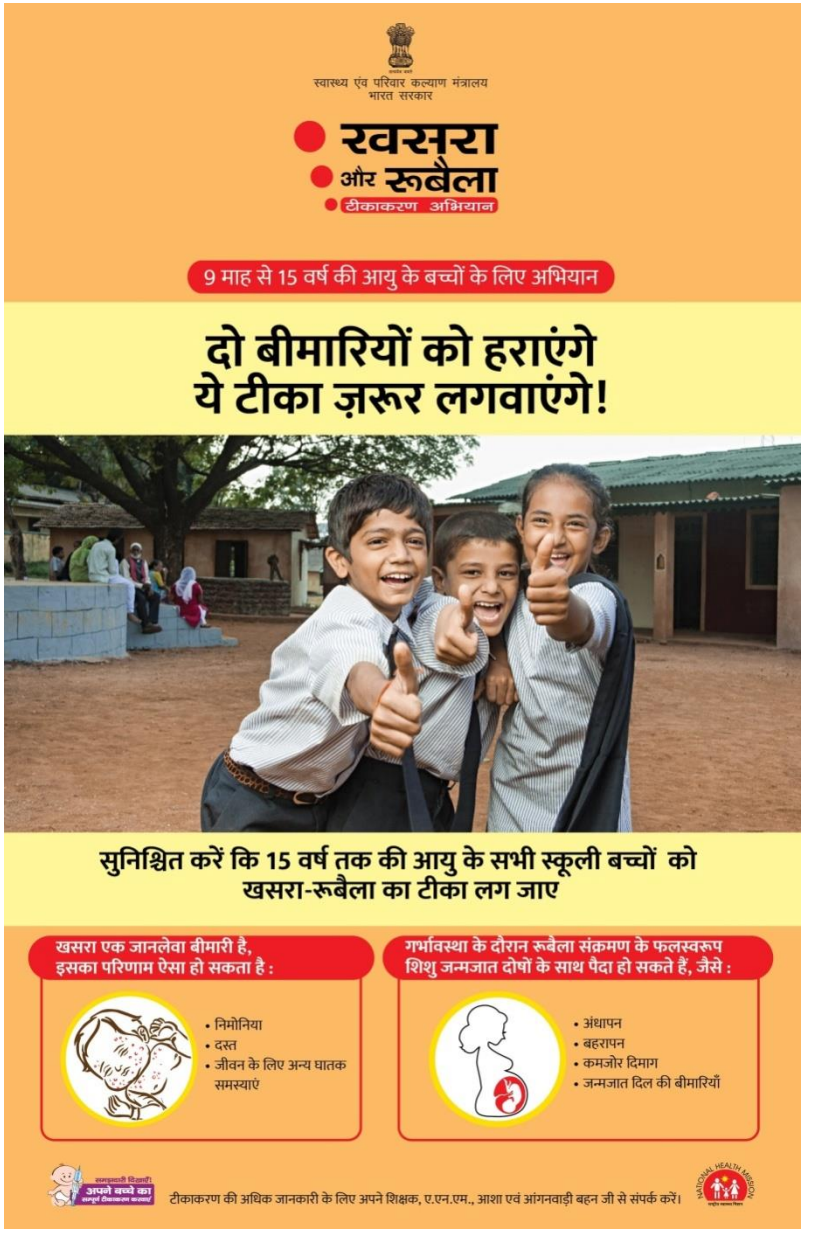

खसरा–रूबेला टीकाकरण अभियान संबंधी संचार सामग्री

खसरा और रूबैला टीकाकरण अभियान

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है

कि ______ वर्षीय

____

को खसरा एवं रुबैला रोगों के प्रति

एम.आर. अभियान के दौरान

दिनांक ____________________

स्थान ______________________________ पर

सफलता पूर्वक टीकाकृत किया जा चुका है।

खसरे को खत्म करने तथा रुबैला पर नियंत्रण के लिए हमारा देश कृतसंकल्प है

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

खसरा और रूबैला टीकाकरण अभियान

एम.आर. सूचना कार्ड

प्रिय अभिभावक,

एक राष्ट्रव्यापी अभियान के अन्तर्गत खसरा तथा रुबैला के प्रति सुरक्षा प्रदान करने के लिए खसरा–रुबैला (एम.आर.) का एक टीका स्कूलों तथा आउटरीच सत्रों में आरम्भ किया जाएगा। इस एम.आर. टीके को बाद में नियमित टीकाकरण में शामिल कर लिया जाएगा। यह महत्वपूर्ण है कि इस अभियान के अन्तर्गत 9 माह से 15 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों को यह टीका लगाया जाएगा, भले ही पहले उन्हें एम.आर/एम.एम.आर. का टीका दिया जा चुका हो।

मूल कारण : खसरा रोग के सफ़ाये तथा रुबैला को नियंत्रित करने के लिए 9 माह से 15 वर्ष तक के बच्चों को यह टीका दिया जाना अत्यावश्यक है।

खसरा :
खसरा एक जानलेवा रोग है जोकि वायरस द्वारा फैलता है। बच्चों में खसरे के कारण विकलांगता तथा असमय मृत्यु हो सकती है।

रुबैला :
रुबैला एक संक्रामक रोग है जो वायरस द्वारा फैलता है। इसके लक्षण खसरा रोग जैसे होते हैं। यह लड़के या लड़की – दोनों को संक्रमित कर सकता है। यदि कोई महिला गर्भावस्था के शुरुआती चरण में इससे संक्रमित हो जाए तो कंजेनिटल रुबैला सिंड्रोम (सी.आर.एस) हो सकता है जोकि उसके भ्रूण तथा नवजात शिशु के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

याद रखने योग्य बातें

- इस अभियान के दौरान यह टीका 9 माह से 15 वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को ज़रूर लगवाया जाना चाहिए
- इसे सभी स्कूलों, सामुदायिक सत्रों, आँगनवाड़ी केन्द्रों और सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर लगाया जाएगा
- यदि किसी बच्चे को एम.आर/एम.एम.आर. का टीका पहले से लगाया जा चुका हो तो उसे भी यह टीका लगवाएँ
- खसरा–रुबैला का टीका पूर्ण रूप से सुरक्षित है एवं इसके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते
- बच्चों को यह टीका एक प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी द्वारा लगाया जाएगा
- इस सामूहिक अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें

खसरे को खत्म करने तथा रुबैला पर नियंत्रण के लिए हमारा देश कृतसंकल्प है

कृपया अपने 9 माह से 15 वर्ष तक की उम्र के बच्चों को खसरा–रुबैला टीकाकरण हेतु अभियान स्थल पर लेकर आएँ

टीकाकरण की अधिक जानकारी के लिए अपने ए.एन.एम., आशा एवं आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री से संपर्क करें
या mrcampaignindia@gmail.com पर ई-मेल करें

स्कूल योजना प्रपत्र – प्रपत्र 1

खसरा रुबैला अभियान राजस्थान – 2019

MR अभियान फॉर्म 1

स्कूल सूचना एवं लक्ष्य निर्धारण प्रपत्र (स्कूल द्वारा भरा जाना है।)

(स्कूल के प्रधानाध्यापक इस जानकारी को CBEO के माध्यम से खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भिजवाना सुनिश्चित करें)

खंड़ _____ सेक्टर प्लानिंग यूनिट/शहरी क्षेत्र स्कूल का नाम _____

पता (ग्राम/शहरी क्षेत्र) : स्कूल में वाहन की उपलब्धता: हां /नही

सरकारी/निजी/मदरसा/प्ले–स्कूल/अन्य (गोला करें) : सह–शिक्षा /केवल छात्रों के लिए /केवल छात्राओं के लिए

प्रधानाध्यापक/प्रभारी का नाम एवं टेलीफोन संख्या :

MR vaccination Campaign हेतु स्कूल के नोडल पदाधिकारी का नाम एवं मोबाइल न0 :

कक्षा के शिक्षक की प्रशिक्षण की आयोजन तिथि :- स्कूल की कार्य अवधि से.

शिक्षक एवं छात्र/छात्राओं का विवरण (15 वर्ष तक)

कक्षा/सेक्षन	कक्षा दषम तक के बच्चे जो उस कक्षा/सेक्षन में पढते हों	कक्षा के शिक्षक का नाम एवं टेलीफोन संख्या	PTM आयोजन की तिथि	शिक्षक–छात्र पारस्परिक विचार विमर्श आयोजन की तिथि

नोट : इस प्रपत्र मे बच्चों कि संख्या सेक्षन वार भरें।

प्रधानाध्यापक का हस्ताक्षर

इस प्रपत्र को अतिशीघ्र तैयार सम्बंधित चिकित्सा अधिकारी को जमा कराना है।

रिपोर्टिंग प्रपत्र – प्रपत्र 9 ए

स्कूल का कक्षावार खसरा रुबैला टीकाकरण अभियान रिर्पोटिंग प्रपत्र						
स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा भरा जायेगा						MRC FORM - 9A
राज्यः–			जिलाः–			खण्ड / शहरी क्षेत्रः–
स्कूल का नामः–						
स्कूल का पता (गॉव / शहरी क्षेत्र):–				स्कूल का प्रकारः– (सरकारी / निजी / मदरसा / अन्य)		
प्रधानाध्यापक का नाम एवं मोबाइल न0:–				स्कूल किस बोर्ड से संवधित है : ICSE/CBSE/State		
स्कूल में कुल कार्य दिवस की संख्या: 1/2/3/4/5/6						
स्कूल के नोडल शिक्षक का नाम मोबाइल न0:–						

क्रम सं0	टीकाकरण की तिथि	कक्षा	क्लास / वर्ग में कुल लक्षित छात्रो की संख्या	टीकाकरण प्राप्त छात्रों की संख्या	उपलब्धि %	स्कूल में टीकाकरण की स्थिति
						पूर्ण / किया जा रहा है
						पूर्ण / किया जा रहा है
						पूर्ण / किया जा रहा है
						पूर्ण / किया जा रहा है
						पूर्ण / किया जा रहा है
						पूर्ण / किया जा रहा है
कुल योग						

प्रधानाध्यापक का हस्ताक्षर

इस प्रपत्र को गतिविधि समाप्त होते ही सम्बंधित चिकित्सा अधिकारी को जमा कराना है।

रिपोर्टिंग प्रपत्र – प्रपत्र 9 बी

स्कूल में खसरा रुबैला टीकाकरण अभियान के बाद कक्षा वार छुटे बच्चों का रिर्पोटिंग प्रपत्र

प्रधानाध्यापक द्वारा स्कूल में टीकाकरण के बाद भर कर दिया जायेगा | **MRC FORM 9 B**

राज्यः– जिलाः– खण्ड/शहरी क्षेत्रः–

स्कूल का नामः– स्कूल का पता (गॉव/शहरी क्षेत्र):– स्कूल का प्रकारः– (सरकारी/निजी/मदरसा/अन्य)

प्रधानाध्यापक का नाम एवं मोबाइल न0:–

स्कूल के नोडल शिक्षक का नाम एवं मोबाइल न0:–

कक्षा/क्लास शिक्षक का नाम एवं मोबाइल न0:– वर्ग/कक्षाः– सेक्सनः–

कक्षा/क्लास में कुल छात्रो की संख्याः–	कक्षा/क्लास में कुल टीकाकरण प्रप्त छात्रो की संख्याः–	कक्षा/क्लास में शेष टीकाकरण के लिए बचे छात्रो की संख्या

स्कूल द्वारा भरा जायेगा						स्वास्थ्य कर्मी द्वारा भरा जायेगा				
क्रम सं0	छात्र का नाम	टीका नही लेने का कारण	माता/पिता का नाम	मोबाइल न0	पता	संवंधित स्वास्थ्य उप केन्द्र	छुटे हुये छात्रो के लिए टीकाकरण की तिथी	एएनएम का नाम एवं मो0 न0	आशा का नाम एवं मो0 न0	छात्रो के टीका लेने की तिथी
		1/2/3/4/5/6								
		1/2/3/4/5/6								
		1/2/3/4/5/6								
		1/2/3/4/5/6								

टीका नही लेने का कारणः– 1, अनुपस्थित 2, बिमार 3, टीका से एलर्जी 4, इन्कार 5, टीकाकरण से डर 6, अन्य

इस प्रपत्र को गतिविधि समाप्त होते ही सम्बंधित चिकित्सा अधिकारी को जमा कराना है।

.....धन्यवाद.....